vinetur

जर्मनी ने 2027 के राजस्व पैकेज से स्पार्कलिंग वाइन पर कर बढ़ाने की योजना हटाई

गठबंधन शराब, तंबाकू और मीठे पेय पदार्थों पर व्यापक कर बढ़ोतरी के लिए 27 नवंबर को मतदान कराएगा, ताकि अरबों की अतिरिक्त आय जुटाई जा सके

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



Lebensmittel Zeitung के अनुसार, जर्मनी के सत्तारूढ़ गठबंधन ने 2027 के लिए कर पैकेज को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत शराब, तंबाकू और मीठे पेय पदार्थों पर कर बढ़ाया जाएगा, जबकि स्पार्कलिंग वाइन पर पहले से प्रस्तावित बढ़ोतरी को हटा दिया गया है।

व्यापार प्रकाशन ने बताया कि इन उपायों पर 27 नवंबर को 2027 के बजट से जुड़े विधेयक के हिस्से के रूप में संसदीय मतदान होना तय है। इस पैकेज का उद्देश्य संघीय राजस्व बढ़ाना है। सरकार नए चीनी-मिश्रित पेय कर और अन्य उत्पादों पर ऊंचे उत्पाद शुल्क से अरबों की आय जुटाना चाहती है।

यह फैसला पेय बाजार के लिए उल्लेखनीय बदलाव है, क्योंकि अन्य शराब श्रेणियों पर अधिक कर लगाए जाने के

बावजूद स्पार्कलिंग वाइन को प्रस्तावित बढ़ोतरी से बाहर रखा गया है। यदि शराब पर व्यापक कर बढ़ोतरी मंजूर होती है, तो इस छूट से बाजार के एक हिस्से को तुलनात्मक लाभ मिल सकता है।

Lebensmittel Zeitung के मुताबिक, सरकार सार्वजनिक वित्त को मजबूत करने के लिए इन कर उपायों पर निर्भर कर रही है। इस पैकेज में मीठे पेय पदार्थों पर नया कर और तंबाकू तथा शराब पर ऊंचे शुल्क शामिल हैं। इसलिए यह किसी एक क्षेत्र में अलग-थलग बदलाव के बजाय राजस्व बढ़ाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है।

पेय कंपनियों के लिए इस प्रस्ताव का कीमतों और मार्जिन पर सीधा असर पड़ सकता है। बीयर, वाइन, स्पिरिट और गैर-अल्कोहल पेय पदार्थों के उत्पादकों, आयातकों और वितरकों को तय करना पड़ सकता है कि बढ़े हुए कर का कितना बोझ वे खुद उठाएंगे और कितना खुदरा विक्रेताओं तथा उपभोक्ताओं पर डालेंगे। स्पार्कलिंग वाइन और अन्य मादक पेयों के बीच कर व्यवस्था में कोई अंतर भी विभिन्न श्रेणियों के बीच प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर सकता है, खासकर ऐसे बाजार में जहां कीमतों में बदलाव मांग पर तेजी से असर डाल सकता है।

खुदरा विक्रेता भी इस पर करीबी नजर रखेंगे। उत्पाद शुल्क बढ़ने से दुकानों में कीमतें, प्रचार योजनाएं और उत्पादों का मिश्रण बदल सकता है, खास तौर पर उन श्रेणियों में जहां उपभोक्ता सस्ते ब्रांड अपना सकते हैं या एक किस्म के पेय की जगह दूसरी किस्म चुन सकते हैं। मीठे पेय पदार्थों पर नया कर गैर-अल्कोहल क्षेत्र पर भी ऐसा ही दबाव डाल सकता है, खासकर मीठे सॉफ्ट ड्रिंक बनाने वाली कंपनियों पर।

गठबंधन का स्पार्कलिंग वाइन पर प्रस्तावित बढ़ोतरी छोड़ने का फैसला बताता है कि पैकेज के भीतर अंतिम चरण में भी बदलाव की गुंजाइश थी। लेकिन व्यापक दिशा स्पष्ट है : बर्लिन 2027 के राजकोषीय कानून को आगे बढ़ाते हुए उपभोग करों से अधिक राजस्व जुटाना चाहता है।

27 नवंबर को होने वाला संसदीय मतदान अगला अहम कदम होगा। यदि सांसद पैकेज को मंजूरी देते हैं, तो जर्मनी के पेय क्षेत्र को नया कर ढांचा अपनाना होगा, जिसका असर विभिन्न उत्पाद समूहों पर अलग-अलग पड़ेगा। कई शराब और सॉफ्ट ड्रिंक उत्पादकों की लागत बढ़ेगी, जबकि कम-से-कम इस योजना में स्पार्कलिंग वाइन पर कोई अतिरिक्त बढ़ोतरी नहीं होगी।